सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 231 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 29 सितम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मैं हमेशा के लिए जीना चाहताहूं या इस कोशिश में मरना ।

ग्रुशु मार्क्स

सीरीज पर कजा करने के इरादे से... 7
बिहार एमएलसी चुनाव, सियासी... 3
सपा नेताजी के समय से शिक्षकों... 2

चिराग से लगी आग, एनडीए सरकार पर आंच

NDA के भीतर बढ़ती बेचैनी, सहयोगी दल ढूंढ रहे हैं एक्जिट का रास्ता

मोदी की सरकार पर ढीली होती पकड़!

» उथल-पुथल भरे राजनीतिक माहौल में चिराग के बयान से राजनीतिक विस्फोट

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चिराग पासवान का बयान तेजी से वायरल हो रहा है। बिल्कुल कोरोना वायरस की तरह इंटरनेट पर तैर रहे इस बयान ने एनडीए के भीतर की टूटन को सार्वजनिक कर देने का काम कर दिया है। उनका बयान भले ही पुराना बताया जा रहा हो लेकिन उस बयान के जरिये देश की राजनीति का तापमान चढ़ चुका है।

ज्ञानेश कुमार के एपिसोड से डैमेज कंट्रोल का रास्ता ढूंढने में नाकाम सरकार के रणनीतिकारों को चिराग पासवान के इस बयान ने बेचैन कर दिया है। चिराग पासवान ने सीधे अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया था। उन्होंने कहा था कि मुझे शर्म आती है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। बात यहीं नहीं रुकी। पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी उन्होंने बेहद कड़ा हमला बोला और सरकार से समय रहते कार्रवाई की मांग की।

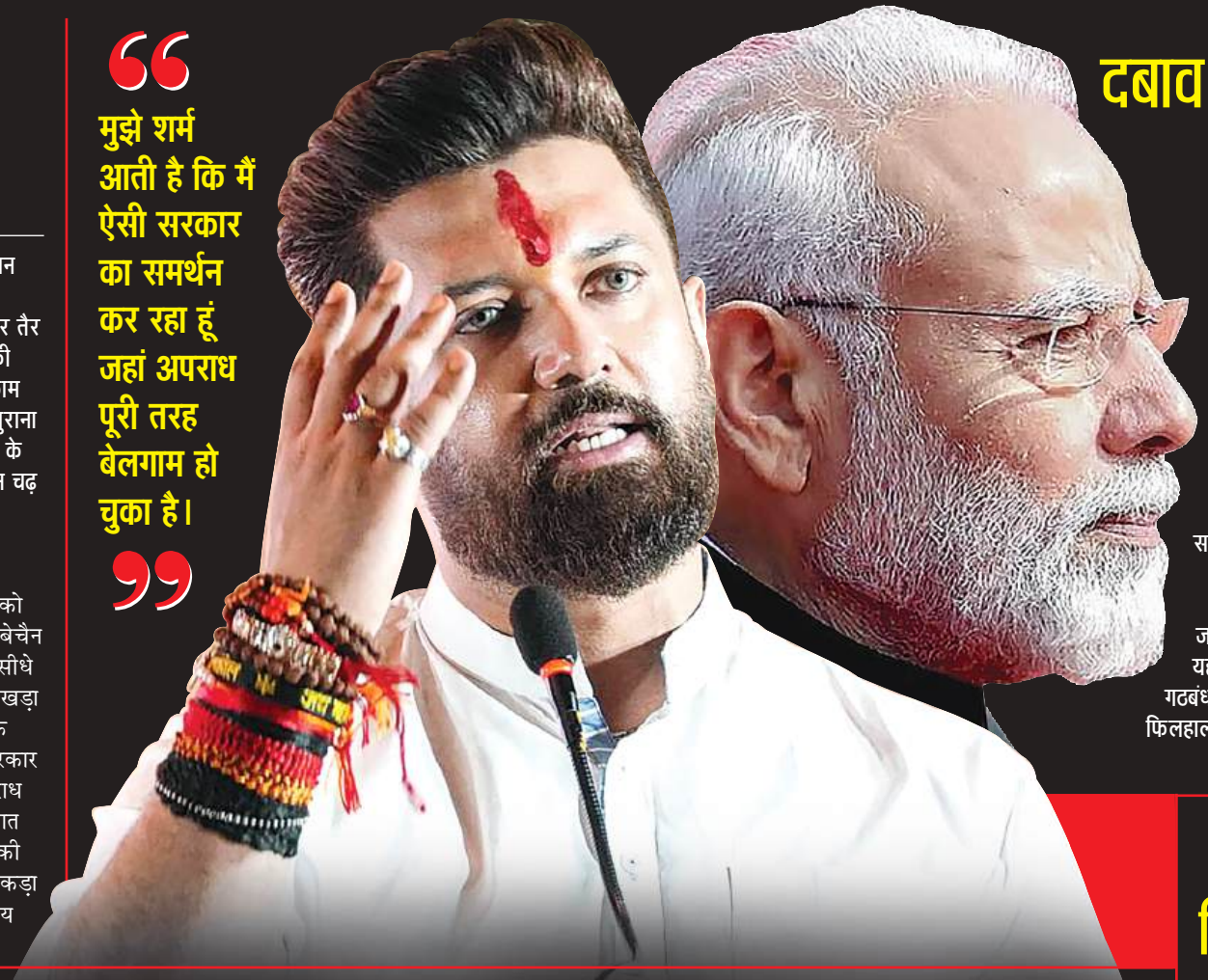

“मुझे शर्म आती है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुका है।”

दबाव में पीएम मोदी सरकार पर खतरा!

तेजी से बदलते राजनीतिक हालातों में इस बात के साफ संकेत दिखायी दे रहे हैं कि केन्द्र सरकार सकते में है। काकरोच जनता पार्टी का सरकार पर हल्ले के बाद धमेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हो चुका है और अब इस्तीफे का पूरा दबाव इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के उपर है क्योंकि अब सरकार के सहयोगी दल भी हर मुद्दे पर चुप रहने के बजाय अपनी राजनीतिक लाइन सार्वजनिक कर रहे हैं। यही वह जगह है जहां सवाल पैदा होता है कि क्या यह सिर्फ मुद्दा आधारित असहमति है या गठबंधन के भीतर राजनीतिक दूरी बढ़ रही है फिलहाल जवाब साफ नहीं है लेकिन सवाल अब सार्वजनिक हो चुका है।

अब जरा इस बयान को दिल्ली की राजनीति के साथ जोड़कर देखिए

यही चिराग कुछ दिन पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी सवाल उठा चुके हैं। उनका कहना था कि अगर चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं तो आयोग को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए। उनके मुताबिक सफाई राहुल गांधी को नहीं जनता को दी जानी चाहिए। बयानों के मामले में एनडीए नेताओं में चिराग अकेले नेता नहीं है। एसआईआर और चुनाव आयोग को लेकर एनडीए के भीतर से उपेंद्र कुशवाहा और टीडीपी की ओर से भी स्पष्टीकरण और पारदर्शिता की मांग सामने आई। यानी जिस मुद्दे पर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा था उसी मुद्दे पर सरकार के सहयोगी भी अब सार्वजनिक रूप से जवाब मांग रहे हैं।

एनडीए की ताकत सिर्फ सीटें नहीं सहयोगी दल भी हैं

एनडीए की ताकत सिर्फ बीजेपी की सीटों में नहीं बल्कि उसके सहयोगी दलों के साथ बने राजनीतिक समीकरण में भी है। ऐसे में सहयोगी दलों की सार्वजनिक असहमति को नजरअंदाज करना आसान नहीं। ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के सवाल पर चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और टीडीपी से जुड़े नेताओं की ओर से चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण की मांग सामने आई। चिराग ने साफ कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में संदेह पैदा होना समस्या है और आयोग को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। अब बिहार में वही चिराग अपनी गठबंधन सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। दोनों घटनाओं के मुद्दे अलग हैं लेकिन राजनीति का सवाल एक है।

महत्तवपूर्ण है चिराग का बयान

चिराग का बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह विपक्ष में बैठकर सरकार को नहीं घेर रहे हैं। वह उसी गठबंधन का हिस्सा हैं जिसकी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। चुनाव आयोग के मामले में भी यही तस्वीर दिखाई दी। एनडीए के भीतर से ही आयोग से स्थिति स्पष्ट करने की मांग आई है। यानि एनडीए के भीतर असहमति के स्वर सार्वजनिक होने लगे हैं। सवाल अब यह है कि क्या यह अलग अलग घटनाएं हैं या सत्ता के गठबंधन के भीतर बढ़ती बेचैनी के संकेत क्योंकि राजनीति में गठबंधन सिर्फ सीटों से नहीं चलते वह भरोसे से चलते हैं और जब साथी ही पूछने लगें कि जवाब दीजिए तो सत्ता को जवाब देना ही पड़ता है।

सपा नेताजी के समय से ही शिक्षकों के लिए काम कर रही है : अखिलेश

» शिक्षक खंड के प्रत्याशियों को जिताने की अपील

» सपा प्रमुख बोले- हम पुरानी पेंशन बहाल करेंगे और वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक चुनाव की तैयारी को लेकर पार्टी विधायकों और प्रत्याशियों के साथ बैठक की। इस बैठक के बाद अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें सपा के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने जा रही है। कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नेताजी के समय से शिक्षकों के लिए काम करती रही है।

अखिलेश ने कहा कि जब भी मौका मिला, समाजवादी पार्टी ने शिक्षकों के हित में फैसले लिए। वित्तविहीन शिक्षकों के लिए बजट में मानदेय के लिए व्यवस्था करेंगे। शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और तदर्थ प्रधानाचार्यों के वेतन संबंधी धारा 12,18 व 21 को बहाल किया जाएगा। आधुनिक मदरसा शिक्षकों का वेतन बहाल किया जाएगा। संस्कृत विद्यालयों की समस्याओं का समाधान होगा। शिक्षामित्रों को शिक्षक बनाकर सम्मान देने का काम किया जाएगा। डिग्री कॉलेजों में सेमेस्टर सिस्टम खत्म करेंगे। अनुदेशक, रोजगार और आंगनबाड़ी की समस्याओं का समाधान करेंगे। अखिलेश ने मतदाताओं से मिर्जापुर- वाराणसी शिक्षक खंड के प्रत्याशी व वर्तमान एमएलसी लाल बिहारी यादव, लखनऊ खंड शिक्षक क्षेत्र से प्रत्याशी सुशील कुमार, आगरा खंड शिक्षक क्षेत्र के प्रत्याशी प्रकाशचंद्र गुप्ता, गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक क्षेत्र से कमलेश यादव, मुरादाबाद-बरेली शिक्षक क्षेत्र से दानिश अख्तर, मेरठ खंड शिक्षक क्षेत्र से नितिन तोमर और वाराणसी खंड स्नातक क्षेत्र से प्रत्याशी व वर्तमान एमएलसी आशुतोष सिन्हा, झांसी स्नातक क्षेत्र से प्रत्याशी व वर्तमान एमएलसी डॉ. मान सिंह, आगरा खंड स्नातक क्षेत्र से शशांक यादव, मेरठ खंड स्नातक क्षेत्र से परमिंदर भाटी, लखनऊ स्नातक क्षेत्र से कांति सिंह को चुनाव जिताने की अपील की।

जमीन का मिले पूरा मुआवजा

अखिलेश ने कहा कि मुरादाबाद-अलीग? ग्रीनफील्ड के निर्माण में जिन किसानों की जमीन जा रही है, उन्हें सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा दिया जाए। बसपा सुप्रीमो मायावती के ईवीएम हटाने के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा कि हम तो पहले ही कह चुके हैं कि ईवीएम से चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे। विकसित देश तक ईवीएम से चुनाव नहीं कराते हैं।

मुसलमानों ने रखा धैर्य

अखिलेश ने मस्जिद गिराने के संबंध में एक सवाल के जवाब में कहा कि मुसलमानों ने हिंदुस्तानियत को बचाकर रखने के लिए धैर्य रखा। भाजपा के लोगों की बिल्डिंग भी अवैध हैं। क्या सपा सरकार बनने पर इन पर भी बुलडोजर चलेगा, अखिलेश ने कहा कि हमने भी इधर काफी कुछ सीखा है।

राज्यसभा के लिए तीन प्रत्याशी उतारेगी सपा

समाजवादी पार्टी राज्यसभा चुनाव में तीन प्रत्याशी उतारेगी, हालांकि संख्याबल के लिहाज से उसके पास दो ही प्रत्याशी जिताने के समीकरण हैं। सूत्र बताते हैं कि विधायकों की बैठक में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रो. रामगोपाल यादव को पुनः राज्यसभा भेजने की बात कही। दूसरे प्रत्याशी यूपी के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन को बनाए जाने के संकेत दिए। इस बारे में सवाल पूछे जाने पर अखिलेश ने कहा कि राज्यसभा के लिए सपा के नाम आपके (पत्रकारों के) लिए भी चौंकाने वाले रहेंगे।

इसी व्यवस्था में सपा ने जीते 43 सांसद : राजभर

» एसआईआर पर सवाल उठाने पर सुभासपा ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सवालों पर कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने पलटवार किया है। उन्होंने विपक्ष से कहा कि सवाल पूछना लोकतंत्र में उसका अधिकार है, लेकिन सवालों के साथ तथ्य और प्रमाण भी देने चाहिए।

राजभर ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के 37 और कांग्रेस के छह सांसद निर्वाचित हुए। उनका कहना था कि जब इसी चुनावी व्यवस्था के तहत विपक्ष के 43 सांसद चुनाव जीतकर संसद पहुंचे, तब व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाया गया। उन्होंने पंजाब में आम आदमी पार्टी तथा हिमाचल और केरल में कांग्रेस की सरकार बनने का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जैसे यह कोई नई व्यवस्था हो। निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड में पहले भी अलग-अलग समय पर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का उल्लेख मिलता है। राजभर ने कहा कि उनकी मांग है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए। गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग के सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए।

किसी पात्र व्यक्ति का नाम गलती से कट गया है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से काटा गया है तो नाम, स्थान और प्रमाण सामने लाएं। निर्वाचन आयोग में शिकायत करें और जरूरत पड़ने पर न्यायालय जाएं। केवल आरोप लगाकर संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास कमजोर करना उचित नहीं है। राजभर ने कहा कि विपक्ष को सवाल पूछने और धरना-प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन विरोध लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने के साथ जनता के बीच जाकर अपने काम और राजनीतिक प्रदर्शन पर भी संवाद करना चाहिए।

आईएएस से इस्तीफे के बाद अब सियासी अखाड़े में उतरेंगी दिव्या मित्तल

» वीडियो जारी करके किया एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने अपने अगले कदम का खुलासा कर दिया है। उन्होंने राजनीति में सक्रिय होने का फैसला किया है। हालांकि, फिलहाल वह किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगी।

उनका कहना है कि वह उत्तर प्रदेश में ही सक्रिय रहेंगी। जनता के साथ मिलकर आगे की राह तय करेंगी। मंगलवार को एक्स पर एक वीडियो जारी करके उन्होंने न सिर्फ यह जानकारी साझा की, बल्कि, सरकार और नौकरशाही पर भी सवाल उठाए।

इससे एक दिन पहले यानी सोमवार को दिव्या मित्तल ने एक्स के माध्यम से अपने भविष्य को लेकर चार संभावित विकल्प सामने रखे थे। उन्होंने लिखा बच्चे छोटे हैं, अब घर। इसके बाद उन्होंने विदेश में नौकरी के विकल्प की ओर इशारा करते हुए लिखा, अच्छा पैकेज मिलेगा वापस विदेश, आईएएस के अनुभव और अपनी किताब का जिक्र करते हुए लिखा आईएएस पर किताब लिखी है। इसके बाद से उनके आखिरी फैसले पर लोगों की निगाह टिकी हुई थी। अब उन्होंने यह साफ कर दिया है कि उनका अगला कदम क्या होगा? बताते चलें कि 30 अगस्त 2026 को दिव्या मित्तल ने 13 वर्षों की प्रशासनिक यात्रा को विराम देते हुए अपनी इच्छा से पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने उस समय भी सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा करके अपने फैसले की जानकारी दी थी। पोस्ट में उन्होंने आईएएस बनने के सफर से लेकर प्रशासनिक सेवा के दौरान आम लोगों से मिले अनुभवों और सीख को साझा किया था।दिव्या मित्तल ने बताया था कि कैसे साधारण परिवेश में पली-बढ़ी होने के बावजूद उन्होंने बेहतर और सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात मेहनत कर उन्होंने आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बेंगलुरु से पढ़ाई की। इसके बाद लंदन में नौकरी मिली। हालांकि, सब कुछ हासिल कर लेने के बाद भी उन्हें अपने देश से दूर होने का खालीपन महसूस होता रहा।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं है : शरद पवार

» राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख बोले- सुनेत्रा पवार की एनसीपी में विलय भी नहीं करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने सुनेत्रा पवार की एनसीपी में विलय और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया है। मुंबई में पार्टी नेताओं संग बैठक के बाद उन्होंने कहा कि एनसीपी(एसी) एक सेक्युलर पार्टी है और वे किसी के साथ जाने के बजाय अपने संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देंगे।

उन्होंने कहा कि वह किसी और के साथ हाथ नहीं मिलाएंगे, बल्कि एनसीपी(एसी) को मज़बूत करने पर ध्यान देंगे। मुंबई में अपने सिल्वर ओक

आवास पर पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, राज्यसभा सदस्य ने कहा कि एनसीपी(एसी) एक सेक्युलर पार्टी बनी हुई है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जो लोग उनकी पार्टी का समर्थन करना चाहते हैं, उन्हें इसमें शामिल हो जाना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी को लेकर कुछ चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन असल बात यह है कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार), जिसका मैं नेतृत्व करता हूं, एक सेक्युलर पार्टी है। अगर कोई हमारे साथ आना चाहता है, तो उन्हें सिर्फ़ हमारे करीब नहीं आना चाहिए, बल्कि हमारी पार्टी में शामिल हो जाना चाहिए। हम किसी के साथ नहीं जाएंगे; हम अपनी पार्टी को मज़बूत करेंगे। एनसीपी दोनों गुटों के विलय को लेकर पिछले कई महीनों से अटकलें लगाई जा रही हैं। खबर थी कि एनसीपी(एसी) गुट भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो सकता है। इसके लिए एक विस्तृत योजना भी तैयार की गई थी।

सूत्रों ने पहले बताया था कि एनडीए में शामिल होने से पहले, एनसीपी(एसी) का विलय सुनेत्रा पवार गुट के साथ होगा और बाद में वे भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो जाएंगे। पवार ने जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी, जिससे विलय और ह्ष्ठ में शामिल होने की संभावनाओं को और बल मिला।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आंदोलनों में ज्यादा से ज्यादा जुड़ें महिलाएं : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- दिल्ली में बेहतर इंतज़ामों की मांग को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के साथ हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के बेहतर इंतज़ामों की मांग को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन का समर्थन किया है। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर इस मुद्दे पर बात करते हुए युवा महिलाओं, खासकर जेनरेशन की महिलाओं से बड़ी संख्या में इस आंदोलन से जुड़ने की अपील की। अपने बयान में गांधी ने महिलाओं के खिलाफ़ होने वाले अपराधों के जवाब में उनकी आवाजाही पर रोक लगाने वाले उपायों की आलोचना की।

राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के लिए उन्हें सज़ा देना बंद करें। हमारे देश में महिलाएं सड़कों पर चलने, परेशान किए जाने

और रेप के डर से सहमी हुई हैं। और सरकार का जवाब क्या है? घर पर रहो। उन्होंने इस सोच को पितृसत्ता का असर बताया-एक ऐसा सिस्टम जो पीड़ित को ही दोषी ठहराता है और अपराधी को बचाता है। अब इसे खत्म करने का समय आ गया है।गांधी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इसका समाधान सार्वजनिक जगहों को सुरक्षित बनाने और दोषियों को तुरंत सज़ा दिलाने में है। उन्होंने कहा कि समाधान महिलाओं को घरों में बंद करना नहीं है। समाधान यह है कि हम अपनी सड़कों को सुरक्षित बनाएं, महिलाओं के साथ बुरा बर्ताव करने वाले पुरुषों की सोच का सामना करें और उन लोगों को सज़ा दें जो उन पर हमला करते हैं - और यह सज़ा बिना किसी अपवाद के तुरंत दी जानी चाहिए। उनकी ये बातें दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों के उस विरोध-प्रदर्शन के बीच आईं, जो इस महीने की शुरुआत में दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की के साथ कथित गैंगरेप के बाद शुरू हुआ था।

बिहार एमएलसी चुनाव, सियासी दलों का बढ़ा तनाव

महागठबंधन और जदयू नेताओं की कलह

आठ एमएलसी सीटों पर सियासी घमासान, लगेगा दांव

» लाभ किसे, किस पर असर, सबकी नजर

» भाजपा की सूची कब?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में फिर चुनाव है। एकबार फिर सियासी दांव लगेंगे। इसी के साथ नेताओं के माथे पर तनाव भी है। बिसात बिछ रही है। जितनी बिछी है, उस पर शह-मात का खेल शुरू हो चुका है। बाकी कुछ मोहरे मैदान में उतारे जाने बाकी हैं। बिहार विधान परिषद् की आठ सीटों पर चुनाव का मौजूदा राजनीतिक गणित कुछ का जायका भी बढ़ा रही है तो कुछ का बिगाड़ रही है।

बिहार विधान परिषद की आठ शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव आयोग ने चार स्नातक और चार शिक्षक सीटों के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। इन सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि 27 अक्तूबर को मतगणना होगी। मौजूदा विधान पार्षदों का कार्यकाल 16 नवंबर को समाप्त हो रहा है। अब तक राष्ट्रीय जनता दल छह सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुका है। जनता दल यूनाइटेड ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भी सभी आठ सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, कांग्रेस की ओर से दरभंगा शिक्षक सीट पर मौजूदा विधान पार्षद डॉ. मदन मोहन झा के नाम को लेकर स्थिति लगभग स्पष्ट बताई जा रही है, लेकिन पार्टी की औपचारिक सूची अभी सामने नहीं आई है। भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों की घोषणा का इंतजार है।

राजद की ओर उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कांग्रेस नाराज

राजद की ओर उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कांग्रेस काफी नाराज है। कांग्रेस ने राजद पर गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। राजद का भी कहना है कि हमलोगों ने कुछ भी ऐसा नहीं किया है, जिससे गठबंधन धर्म टूटे। हमने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। हालांकि, दरभंगा शिक्षक सीट से मौजूदा कांग्रेस विधान पार्षद डॉ. मदन मोहन झा के नाम को लेकर स्थिति लगभग तय बताई गई है। संभावना है कि अगले 24 घंटें में कांग्रेस अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दे। कांग्रेस के लिए यह सीट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि डॉ. मदन मोहन झा यहां से मौजूदा विधान पार्षद हैं और 2020 में भी उन्होंने जीत दर्ज की थी।

भाजपा के उम्मीदवार सूची पर चर्चा

भाजपा ने भी 25 सितंबर तक आठ सीटों के लिए अपनी आधिकारिक उम्मीदवार सूची जारी नहीं की है। मौजूदा स्थिति में भाजपा के दो सदस्य इन सीटों पर हैं। इनमें पहले नंबर पर पटना शिक्षक से नवल किशोर यादव और दूसरे पर कोसी स्नातक से एनके यादव। दोनों के नाम दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा रिपोर्टों में है, लेकिन आधिकारिक सूची अब तक जारी नहीं की गई है। इधर, दरभंगा स्नातक सीट पर सरवेश कुमार मौजूदा विधान पार्षद हैं और उन्हें भाजपा समर्थित निर्दलीय के तौर पर बताया जाता है। तिरहुत स्नातक सीट पर निर्दलीय बंशीधर ब्रजवासी मौजूदा सदस्य हैं। यहां से जदयू ने अभिषेक झा को उम्मीदवार बनाया है।

राजद ने भी बांटे टिकट

राजद ने सबसे पहले अपने छह उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। पार्टी ने पटना की दोनों सीटों के अलावा कोसी, दरभंगा, सारण और तिरहुत में प्रत्याशी उतारे हैं। राजद ने अभी दरभंगा शिक्षक और तिरहुत शिक्षक सीट के लिए अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। पटना शिक्षक डॉ. संजीव कुमार सिंह, पटना दिलीप कुमार, कोसी नितेश कुमार, दरभंगा अनिल कुमार झा,सारण प्रो. जयराम यादव,तिरहुत डॉ. रश्मि विनायक गौतम।

जदयू ने कहां से किन्हें दिया टिकट

जदयू ने 23 सितंबर को चार सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी ने पटना स्नातक से मौजूदा विधान पार्षद नीरज कुमार को फिर मैदान में उतारा है। इसके अलावा तिरहुत स्नातक, सारण शिक्षक और दरभंगा शिक्षक सीट पर भी प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। हालांकि, मोकामा के विधायक अनंत सिंह लगातार नीरज कुमार का विरोध कर रहे थे। उन्होंने जनसुराज के उम्मीदवार डॉ. अनुज सिंह को समर्थन देने की भी बात कही लेकिन इन सबके बावजूद नीरज कुमार पर जदयू ने फिर से भरोसा जताया है।

कलह का फायदा मिलेगा जन सुराज को?

वरिष्ठ पत्रकार बताते हैं कि चुनाव परिणाम आने से पहले निश्चित रूप से तय नहीं किया जा सकता। इतना जरूर है कि राजद, कांग्रेस और वामदल की ओर से अलग-अलग उम्मीदवारों की घोषणा और जन सुराज के सभी आठ सीटों पर उतरने से कई निर्वाचन क्षेत्रों में मुकाबला बहुकोणीय हो गया है। इस चुनाव में उम्मीदवारों का व्यक्तिगत जनसंपर्क, शिक्षक और स्नातक मतदाताओं के बीच संगठन, स्थानीय मुद्दे, मतदान प्रतिशत और अलग-अलग दलों के बीच वोटों का वितरण जैसे कारक महत्वपूर्ण होंगे। महागठबंधन में अगर कांग्रेस भी राजद के सामने अपना उम्मीदवार उतार देता है तो इसका फायदा जनसुराज उठा सकता है। विधानसभा चुनाव के बाद से जिस तरह कांग्रेस और राजद के बीच कलह हो रहा है, उससे जनता के बीच ठीक मैसेज नहीं जा रहा है। बांकीपुर चुनाव में राजद उम्मीदवार के समर्थन में कांग्रेस ने कुछ खास प्रचार प्रसार नहीं किया। इसका फायदा यह हुआ कि महागठबंधन का वोट बैंक प्रशांत किशोर की ओर शिफ्ट हो गया। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो पीके जरूर इस स्थिति का लाभ उठाना चाहेंगे। वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि पटना स्नातक की सीट पर जदयू के दो नेताओं की बीच के कलह का लाभ भी प्रशांत किशोर को मिलता दिख रहा है। बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने जनसुराज के उम्मीदवार डॉ. अनुज सिंह को समर्थन देने की बात पहले ही कही है। वहीं सारण शिक्षक सीट पर भी जन सुराज के उम्मीदवार आफाक अहमद मौजूदा विधान पार्षद हैं। उन्होंने 2023 के उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की थी और उन्हें जन सुराज का समर्थन प्राप्त था।

पिछले चुनाव की तुलना में ये चुनाव अलग है

पिछले चुनाव के बाद इन आठ सीटों में दो पर उपचुनाव हो चुके हैं। तिरहुत स्नातक सीट पर देवेश चंद्र ठाकुर के सांसद बनने के बाद सीट खाली हुई थी। 2024 के उपचुनाव में निर्दलीय बंशीधर ब्रजवासी विजयी हुए। इसी तरह सारण शिक्षक सीट पर केदारनाथ पांडेय के निधन के बाद उपचुनाव हुआ, जिसमें आफाक अहमद निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीते। बाद में उन्हें जन सुराज का समर्थन मिला। इस लिहाज से 2026 का चुनाव 2020 की तुलना में बदले हुए मौजूदा सदस्यों के साथ हो रहा है। इस बार जनसुराज ने सभी आठ सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं। इससे सभी आठ सीटों पर मुकाबले में एक नया राजनीतिक विकल्प जुड़ा है। पिछले चुनाव में किसी दल ने एक साथ आठों सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारे थे। महागठबंधन के अंदर सीटों को लेकर शुरुआती स्तर पर सामने आया मतभेद है। राजद ने छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए, जबकि कांग्रेस ने शुरुआत में अलग तैयारी की बात कही। बाद में कांग्रेस के दरभंगा शिक्षक सीट तक सीमित रहने की खबर सामने आई। इधर, सीपीआई की ओर से भी तिरहुत शिक्षक और सारण शिक्षक सीट पर अपने उम्मीदवार घोषित करने की बात सामने आ रही है।

2020 के विधान परिषद चुनाव का हाल

साल 2020 के विधान परिषद चुनाव में इन आठ सीटों पर अलग-अलग दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन रहा था। उस समय जदयू ने पटना स्नातक और तिरहुत स्नातक सीटें जीती थीं। भाजपा ने कोसी स्नातक और पटना शिक्षक सीट पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस ने दरभंगा शिक्षक सीट जीती थी, जबकि सीपीआई ने तिरहुत शिक्षक और सारण शिक्षक सीट पर जीत दर्ज की थी। दरभंगा स्नातक सीट पर निर्दलीय सरवेश कुमार विजयी हुए थे। तिरहुत स्नातक से देवेश चंद्र ठाकुर जीते थे लेकिन जदयू ने उन्होंने लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। जीतने के बाद यह सीट खाली हो गई। उपचुनाव में बंशीधर ब्रजवासी ने इस सीट पर जदयू के उम्मीदवार अभिषेक झा को हरा दिया।

प्रशांत किशोर का नया दांव- 10 हजार युवाओं को देंगे नौकरी

इधर प्रशांत किशोर ने लगातार क्षेत्र में घूम रहे हैं। बांकीपुर विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उनकी पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रशांत किशोर ने वादा किया है कि अगर जनसुराज उम्मीदवारों की जीत होती है तो सभी श्रेणी के शिक्षकों को सम्मान और सातवां वेतनमान, वित्तरहित-वित्तपोषित शिक्षकों की समस्याओं का समाधान व बचे शिक्षकों का समायोजन, गैर-शैक्षणिक कार्यों के लिए मानक तय करेंगे प्रशांत किशोर ने स्नातक मतदाताओं से जाति, धर्म से ऊपर उठ बदलाव के लिए मतदान की अपील करते हुए कहा है कि जिस स्नातक क्षेत्र में जन सुराज का उम्मीदवार जीतेगा, वहां बांकीपुर की तरह 10,000 पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी देंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि शिक्षकों की लड़ाई पिछले कई वर्षों से व्यवस्था के साथ चल रही है। चाहे टीआरई परीक्षा का मामला हो, वेतनमान का मुद्दा हो, गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों को लगाने का मामला हो या वित्त रहित और वित्त पोषित संस्थानों की अव्यवस्था, इन मुद्दों को लेकर लंबे समय से मांग उठती रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक समुदाय को जन सुराज से अपेक्षा है कि उनकी जायज मांगों और आंदोलनों में पार्टी उनके साथ खड़ी हो। उन्होंने कहा कि शिक्षक समुदाय कई संघों में बंटा हुआ है। कोई नियोजित शिक्षक है, कोई विद्यालय शिक्षक, कोई विशिष्ट शिक्षक तो कोई वित्त रहित शिक्षक है। सभी ने अपने-अपने संगठन बना रखे हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने अब सभी आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने 20 सितंबर को पांच नामों की घोषणा की थी और 24 सितंबर को बाकी तीन सीटों के प्रत्याशियों के नाम भी सामने रख दिए। जनसुराज ने पटना डॉ. अनुज सिंह,तिरहुत डॉ. विमोहन कुमार, दरभंगा रवींद्र यादव,कोसी रजनीश रंजन, पटना शिक्षक डॉ. दिव्या ज्योति दरभंगा एसपी राय, सारण आफाक अहमद, तिरहुत भूषण झाको टिक्ट दिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा और समझदारी से इस्तेमाल करें

पर्यावरण बचाने के लिए केवल नई चीजें बनाने के बजाय पहले से मौजूद संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा और समझदारी से इस्तेमाल करना होगा। जितना हम प्रदूषण करने से अपने को रोकें गे उतना वायुमंडल को लाभ होगा। इससे सामजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। यही सर्कुलर इकोनॉमी की मूल भावना है। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम-2026 (डबल्यूसीईएफ) के समापन समारोह में गुजरात के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री प्रवीण माली ने यह बात कही। दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन के समापन पर पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 'इकोमार्क' के लोगो का अनावरण किया गया। इस मौके पर भारत और विदेशों से आए प्रतिनिधियों ने टिकाऊ विकास और सर्कुलर इकोनॉमी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। माली ने कहा कि गुजरात सर्कुलर इकोनॉमी और सतत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

गुजरात की वेस्ट टू एनर्जी पॉलिसी-2022 कचरे से ऊर्जा बनाने को बढ़ावा देती है, जबकि गुजरात इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026 में उत्पादों की मरम्मत, पुन: उपयोग और री-मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया गया है। फिनलैंड की पर्यावरण मंत्री सारी मुल्लाला ने कहा कि डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और तकनीक सर्कुलर इकोनॉमी को वैश्विक वास्तविकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण से जुड़ा विचार नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी अवसर है। भारत में ई-वेस्ट, स्क्रैप मेटल, पुराने वाहनों और सोलर रिसाइक्लिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों के लिए 11 समर्पित सर्कुलर इकोनॉमी नीतियां लागू की गई हैं। गुजरात औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) चेयरमैन डॉ. अमनदीप गर्ग ने कहा कि सम्मेलन में 66 देशों के 2,700 से अधिक प्रतिनिधि और करीब 260 वक्ता शामिल हुए। चार प्लेनरी और 16 समानांतर सत्रों में सर्कुलर इकोनॉमी के वित्तीय, तकनीकी और नीतिगत पहलुओं पर चर्चा हुई। 125 से अधिक प्रदर्शकों ने भी अपने समाधान और अनुभव प्रस्तुत किए। समापन पर अगले वर्ष डबल्यूसीईएफ की मेजबानी करने वाले अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर को बैटन सौंपा गया।

"सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण से जुड़ा विचार नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी अवसर है। भारत में ई-वेस्ट, स्क्रैप मेटल, पुराने वाहनों और सोलर रिसाइक्लिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों के लिए 11 समर्पित सर्कुलर इकोनॉमी नीतियां लागू की गई हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिना दिल मिले हाथ मिलाने की कूटनीति

पुष्परंजन

चीन और अमेरिका के बीच अभी सब कुछ मीठा-मीठा गप-गप चल रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी का स्वागत लाजवाब था। ट्रंप खुद उनसे मिलने मिलिट्री एयरस्ट्रिप पर पहुंचे। यह प्रोटोकॉल से हटकर एक ख़ास कदम था। ऐसी आवभगत शी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की पेइचिंग यात्रा के दौरान नहीं की थी। चीनी मीडिया फूले नहीं समा रहा है। ग्लोबल टाइम्स का संपादकीय है, 'दोनों नेता रणनीतिक स्थिरता वाले चीन-अमेरिका संबंध बनाने की नई सोच पर सहमत हुए। उन्होंने अगले तीन वर्षों और उसके बाद के लिए चीन-अमेरिका संबंधों को रणनीतिक दिशा दी, जिसका दोनों देशों की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने व्यापक रूप से स्वागत किया है।' सोचिए, ऐसे संपादकीय से पुतिन पर क्या गुज़र रही होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति आमतौर पर किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का स्वागत करने एयरपोर्ट नहीं जाते हैं। यह बहुत दुर्लभ है।

11 अक्टूबर, 1949 को वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट पर तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन ने हमारे प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का स्वागत किया था। इस तरह का एयरपोर्ट स्वागत 1962 के बाद बेहद चुनिंदा मौकों पर ही देखने को मिला है। पीएम मोदी तक को पंडित नेहरू और शी जैसा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ है। जब जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने मार्च, 2026 में पहली बार वॉशिंगटन का दौरा किया, तो ट्रंप के साथ बातचीत के लिए व्हाइट हाउस जाने से पहले, जॉइंट बेस एंड्रयूज पर अमेरिकी वायु सेना के कर्नल गैरी चारलैंड ने उनका स्वागत किया था। इस हफ्ते, वॉशिंगटन में शी के आगमन से एक दिन पहले, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान तकाइची फिर से ट्रंप से मिलीं। चीनी मीडिया का कटाक्ष था कि जापानी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया लेकिन वहां कोई रेड कार्पेट, प्रोटोकॉल डेलिगेशन या अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं थे। बुधवार को वॉशिंगटन में शी के ग्रैंड वेलकम की ख़बर चीनी सरकारी मीडिया की सुर्खियों में थी। ट्रंप द्वारा चीनी नेता का रेड-कार्पेट स्वागत करते हुए तस्वीरें और फुटेज दिखाए गए। एयरबेस पर गार्ड ऑफ ऑनर, मिलिट्री बैंड, 21-गन सैल्यूट और जेट फ्लाईपास्ट शामिल थे।

इसके उलट, अमेरिकी मीडिया में शी के आगमन की कवरेज उतनी ज़्यादा नहीं थी, क्योंकि बड़े टेलीविजन नेटवर्क का व्हाइट हाउस के साथ गतिरोध चल रहा है। व्हाइट हाउस पूल में शामिल नेटवर्क जिनमें एबीसी, सीबीएस, सीएनएन, फॉक्स न्यूज़ और एनबीसी शामिल हैं ने प्रशासन द्वारा सीएनएन

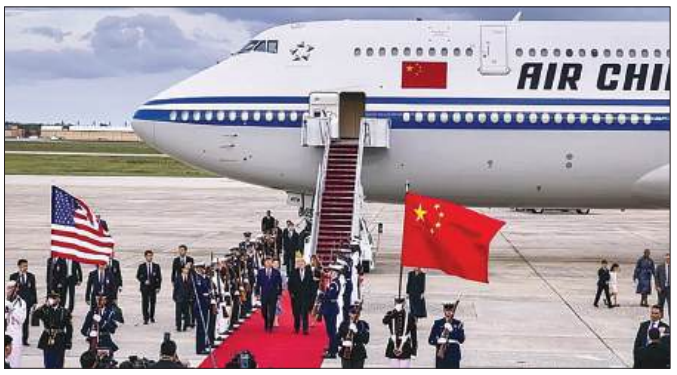

समेत कई मीडिया आउटलेट्स पर लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों की कवरेज का बहिष्कार किया है। अमेरिकी थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह शिखर बैठक मुख्य रूप से कूटनीतिक दिखावे तक ही सीमित रहेगी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को कहा कि बुसान समझौते की नवंबर वाली समय-सीमा को बढ़ाकर 10 जनवरी, 2027 कर दिया जाएगा। यह व्यापारिक युद्धविराम अक्टूबर-नवंबर, 2025 में दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित एक शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच तय हुआ था। बुसान समझौते की अवधि 10 नवंबर, 2026 को समाप्त होने वाली थी। फिर भी, यह बात सभी मानते हैं कि यह शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसका विफल होना ठीक नहीं होगा। 3 नवंबर, 2026 को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव हैं। कमेटी ऑफ 100 के एक सर्वे से पता चलता है कि 54 प्रतिशत चीनी-अमेरिकी खुद को डेमोक्रेट और 28 प्रतिशत रिपब्लिकन मानते हैं। शी की यात्रा इसलिए भी मायने रखती है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान होने वाले इन मध्यावधि चुनावों में, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर चुनाव होंगे, जिससे 120वीं अमेरिकी कांग्रेस का चयन होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसलिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में ईरान से रफाकत (मेलजोल) या मिटा देने की अदावत—दोनों ही मंशा स्पष्ट कर दी। लेकिन, ईरान से पीस डील में पाकिस्तान का प्रयास एक 'फेल्ड स्टोरी' माना जाएगा।

पाकिस्तान ऐतिहासिक रूप से सऊदी अरब और अमेरिका के करीब रहा है, जो ईरान के प्रतिद्वंद्वी हैं। इस बाहरी भू-राजनीतिक दबाव के कारण पाकिस्तान कभी भी ईरान के साथ खुलकर मज़बूत रिश्ते नहीं बना पाया। यह भी विचार करने वाली बात है कि दिल्ली में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के बीच दिखी गर्मजोशी ने क्षेत्रीय कूटनीति में पाकिस्तान के रणनीतिक प्रभाव को काफी हद तक सीमित कर दिया है।

जन्मशताब्दी वर्ष में एक युगपुरुष का पुण्य स्मरण

नरेंद्र मोदी

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, 'वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।' अभिप्राय है कि पेड़ कभी अपने फल नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। हमारे ऋषियों ने यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। 27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज-संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया।

यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का प्रसंग याद है। तब मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हस्तलिखित पत्र मिला। उन्होंने आगामी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपीं। तब अशोक सिंघल जी से पत्र पाना मेरे लिए एक यादगार क्षण बना। मैंने उन्हें दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष प्रिय था। वे चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जाए। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती तो सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ के भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बना।

अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता श्री महावीर की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई श्री बी.पी. सिंघल पुलिस अधिकारी बने और बाद में सांसद भी रहे। दूसरे भाई श्री वी.पी. सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। छोटी उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो व मां भारती की संतानें गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी घंटों संगम तट पर बैठते। वहां आने वाले साधु-संतों और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज हेतु कुछ करने का संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया। उन्होंने अपने अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे।

साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। प्रत्येक व्यक्ति उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक जी के संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वह मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था।

मैंने अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन कैसे हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है तो इसमें अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्स्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने में सर्वस्व अर्पित किया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते, तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वे सर्वाधिक भावुक एवं प्रसन्न होते। स्वर्गीय अशोक सिंघल जी मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया।

दिल की सेहत को न करें नजरअंदाज

दिल हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। यह दिन-रात बिना रुके शरीर के हर हिस्से तक रक्त और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। हम अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त रहते हैं, लेकिन अक्सर अपने दिल की सेहत पर तब ध्यान देते हैं जब कोई परेशानी सामने आती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार हृदय को स्वस्थ रखने के लिए बीमारी के लक्षणों का इंतजार करने के बजाय शुरुआत से ही जोखिम कारकों पर ध्यान देना अधिक उपयोगी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हृदय और रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। इनमें हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी स्थितियां भी आती हैं। उच्च रक्तचाप, अस्वास्थ्यकर खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू का सेवन और अन्य जोखिम कारक हृदय रोगों की संभावना बढ़ा सकते हैं।

व्यायाम का मतलब सिर्फ जिम नहीं

स्वस्थ रहने के लिए महंगी जिम सदस्यता आवश्यक नहीं है। तेज चाल से पैदल चलना, साइकिल चलाना, तैरना, योग या अपनी क्षमता के अनुसार अन्य शारीरिक गतिविधियां उपयोगी हो सकती हैं। जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं, उन्हें बीच-बीच में उठकर थोड़ा चलना चाहिए। नियमित शारीरिक गतिविधि शरीर के वजन, रक्तचाप और समग्र हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकती है।

धूम्रपान से दूरी जरूरी

तंबाकू हृदय स्वास्थ्य के लिए प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल है। धूम्रपान छोड़ना हृदय और फेफड़ों सहित पूरे शरीर के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कदम है। धूम्रपान छोड़ने में कठिनाई हो तो चिकित्सक या तंबाकू-निरोधक सहायता की मदद ली जा सकती है।

कब तुरंत चिकित्सा सहायता लें?

सीने में अचानक दबाव या दर्द, सांस लेने में गंभीर परेशानी, अत्यधिक पसीना, अचानक कमजोरी, बेहोशी या शरीर के किसी हिस्से में अचानक कमजोरी जैसे गंभीर लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है।

खाने की थाली में सुधार जरूरी

दिल की सेहत के लिए भोजन की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। भोजन में हरी और अन्य सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज, मेवे और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना उपयोगी हो सकता है। दूसरी तरफ अत्यधिक नमक, बहुत अधिक चीनी, ट्रांस फैट और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करना बेहतर है। घर का सामान्य भोजन भी स्वस्थ हो सकता है, यदि उसकी मात्रा और सामग्री संतुलित हो।

दिल की बीमारी केवल उम्र की समस्या नहीं

आम धारणा है कि हृदय रोग केवल बुजुर्गों को होता है। वास्तव में जोखिम उम्र के साथ बढ़ सकता है, लेकिन अस्वास्थ्यकर जीवनशैली से जुड़े कई जोखिम वर्षों पहले ही विकसित होने लगते हैं। दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना, लगातार तनाव में रहना, भोजन में अत्यधिक नमक और अस्वास्थ्यकर वसा का इस्तेमाल, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन, पर्याप्त नींद न लेना और बढ़ता वजन हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए दिल की देखभाल की शुरुआत किसी निश्चित उम्र में नहीं, बल्कि स्वस्थ आदतों के साथ होनी चाहिए।

तनाव और नींद को भी समझें

मिथक बनाम तथ्य

पतले व्यक्ति को हृदय रोग नहीं हो सकता। लेकिन शरीर का वजन केवल एक जोखिम कारक है, अन्य जोखिम भी महत्वपूर्ण होते हैं। रोज थोड़ा चलना पर्याप्त नहीं है। लेकिन नियमित शारीरिक गतिविधि स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है, गतिविधि की मात्रा व्यक्ति की उम्र और स्वास्थ्य के अनुसार तय की जा सकती है।

लगातार तनाव और खराब नींद स्वस्थ जीवनशैली को प्रभावित कर सकते हैं। तनाव के कारण कुछ लोग अधिक खाना, धूम्रपान या अन्य अस्वास्थ्यकर आदतों की ओर जा सकते हैं। इसलिए काम के साथ आराम, पर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधि और परिवार के साथ समय भी जरूरी है।

मनीष कुमार मौर्य

ब्लड प्रेशर को समझें

उच्च रक्तचाप को अक्सर साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि कई लोगों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं होते। व्यक्ति सामान्य महसूस कर सकता है, जबकि उसका रक्तचाप लंबे समय तक बढ़ा हुआ हो सकता है। लगातार उच्च रक्तचाप रक्तवाहिकाओं और हृदय पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। इसलिए समय-समय पर रक्तचाप की जांच कराना महत्वपूर्ण है। यदि डॉक्टर ने रक्तचाप की दवा शुरू की है तो उसे अपनी मर्जी से बंद या कम नहीं करना चाहिए।

हंसना मना है

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त: कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त: स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त: मेरी तो अभी जिंदा है!

टीचर: इतने दिन से कहा थे? लड़का: बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर: पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का: आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया- तेरी इच्छा क्या है, आदमी बोला- प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो। भगवान हसने लगे और कहा, मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

जिन्दगी की बात करते हो, यहां तो मौत भी हमसे खफा है, हम ताज क्यों बनाए, अपनी तो मुमताज ही बेवफा है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज: जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

कहानी | कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनाना शुरू किया। एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी। जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएंगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए। कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे करके घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया। सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये आर उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है। सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नही सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा। इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उससे घोंसला नहीं बना। कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कार्यक्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ काम शुरू कर सकते हैं। व्यापारिक मामलों में नए अवसर मिलेंगे, लेकिन निर्णय सोचकर लें। धन से जुड़े पुराने काम आगे बढ़ सकते हैं।

वृषभ कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, इसलिए अपने काम पर ध्यान दें। व्यापार में जोखिम वाले निवेश से बचें। प्रेम संबंधों में धैर्य से बातचीत करें।

मिथुन नौकरी में नए अवसरों पर चर्चा हो सकती है। व्यापार में विस्तार के लिए संपर्क बढ़ेंगे। दांपत्य जीवन में संवाद से संबंध मजबूत होंगे। आय के नए साधन तलाश सकते हैं।

कर्क कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। व्यापार में लाभ की संभावना है, लेकिन निवेश में सावधानी रखें। परिवार में उत्सव या धार्मिक गतिविधि हो सकती है।

सिंह सहकर्मियों से तालमेल बनाकर काम करना लाभदायक रहेगा। व्यापार में थोड़ी धीमी गति के बावजूद योजनाएं आगे बढ़ेंगी। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है।

कन्या महत्वपूर्ण दस्तावेज और काम सावधानी से संभालें। व्यापारिक लेनदेन में अतिरिक्त सतर्कता रखें। जीवनसाथी के साथ बातचीत में संयम जरूरी होगा।

तुला कार्यक्षेत्र में नया प्रोजेक्ट या जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में साझेदारी से लाभ के अवसर बनेंगे। प्रेम जीवन में आकर्षण और उत्साह बना रहेगा।

वृश्चिक अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। व्यापारिक यात्राओं से लाभ मिल सकता है। परिवार से सहयोग मिलने की संभावना है। आर्थिक लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं।

धनु वरिष्ठों से मार्गदर्शन मिलेगा और काम आगे बढ़ेगा। नए साझेदारों के साथ बातचीत हो सकती है। संतान से जुड़ी कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है।

मकर काम का दबाव अधिक रह सकता है, इसलिए प्राथमिकता तय करें। व्यापार में लाभ के लिए अधिक प्रयास करना पड़ेगा। परिवार के मामलों में संयम रखें।

कुम्भ आपके साहस और प्रयास से रुके काम आगे बढ़ सकते हैं। व्यापार में नए अनुबंध की बातचीत हो सकती है। भाई-बहनों और मित्रों से सहयोग मिलेगा।

मीन वाणी और विचारों के कारण कार्यस्थल पर प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें।

आपका जलवा यूँ ही बरकरार रहे कालीन भैया!

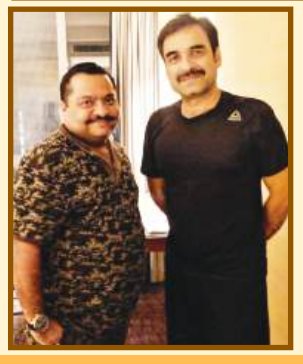

पंकज त्रिपाठी को जन्मदिन की बधाईयों का तांता
4 पीएम संपादक ने साझा किए उनके साथ बिताए पल

कुछ लोगों से मिलकर आप उनके काम के और बड़े प्रशंसक हो जाते हैं और कुछ लोगों से मिलकर आप जीवन को थोड़ा अलग ढंग से देखने लगते हैं। पंकज त्रिपाठी जी मेरे लिए ऐसे ही इंसान हैं। पहली बार उनके घर गया था तो सोचा, इतने बड़े कलाकार हैं, दस मिनट मिल लेंगे, यही बहुत है। लेकिन बातचीत शुरू हुई तो वे दस मिनट कब घंटों में बदल गए, पता ही नहीं चला। ये बातें अपने संस्मरण 4 पीएम के संपादक, लेखक,फिल्मकार संजय शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा की है। उन्होंने बताया कल पंकज त्रिपाठी का जन्मदिन था। मन था कि उनके पास जाकर बधाई दूँ, लेकिन दिन भर की भागदौड़ में जा नहीं पाया, रात को फ़ोन पर बात हुई, जल्दी फिर मिलने का वादा भी हुआ। पंकज जी, जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ. आप स्वस्थ रहें, लंबी उम्र जिएँ. आपके जीवन में पेड़ों की हरियाली, परिंदों की आवाज़ और चाँद को देखकर होने वाली वह खुशी हमेशा बनी रहे। कालीन भैया, आपका जलवा यूँ ही बरकरार रहे!

प्रकृति को बहुत करीब से देखते हैं पकंज : बात करते-करते वे मुझे अपनी बालकनी में ले गए, सामने जंगल था और उसके पीछे समुद, एक पेड़ की तरफ़ इशारा करके बताया कि थोड़ी देर में वहाँ से करीब सात तोते उड़ेंगे, सामने वाली बिल्डिंग पर बैठेंगे और फिर लौट जाएंगे, कुछ देर बाद सचमुच सात तोते उड़े, बिल्डिंग पर बैठे और लौट गए, मैं तोतों से ज्यादा पंकज जी को देख रहा था, एक इंसान अपने आसपास की प्रकृति को कितने ध्यान से देखता होगा कि उसे परिंदों के आने-जाने तक का पता है!

सबसे ऐसे मिलते हैं जैसे कोई अपना सा हो: फर एक बार वे लखनऊ आए, मेरे दोनों ऑफिस गए, वहाँ हर किसी से मिले और इतनी आत्मीयता से बातें कीं कि किसी को लगा ही नहीं कि देश का इतना बड़ा कलाकार उनके बीच बैठा है, मेरे साथ काम करने वाले लोगों के लिए वह दिन आज भी बहुत प्यारी याद है। एक रात उनके घर बैठा था, अचानक मुझे ऊपर चलने को कहा, वहाँ पहुँचकर उन्होंने आसमान की ओर इशारा किया, चाँद अभी एक कोने से निकला था, वे बता रहे थे कि आधे घंटे बाद वह वहाँ से आगे बढ़ जाएगा, उस रात चाँद मैंने भी देखा, लेकिन उसे देखने की जो खुशी पंकज जी के चेहरे पर थी, वह आज तक याद है।

व्हाट्सऐप नहीं चलाते कालीन भईया: मैंने एक बार उनका व्हाट्सऐप नंबर पूछा तो उन्होंने बताया कि वे व्हाट्सऐप नहीं चलाते, कभी शुरू किया था, लेकिन किसी का लिखा उन्हें बुरा लगा और उनके लिखे से किसी और को बुरा लग गया, उन्होंने वहीं उसे छोड़ दिया, पेड़, नदी, चाँद, परिंदे और लोगों से आमने-सामने की बातचीत उन्हें कहीं ज्यादा प्रिय है। इतना नाम, इतनी शोहरत, फिर भी उनसे मिलिए तो लगता है जैसे किसी अपने के पास बैठे हों। न कोई दिखावा, न कोई जल्दी। बस इत्मीनान से बात करने वाला एक बेहद प्यारा इंसान।

दिव्या शिंदे को पुणे पुलिस ने किया गिरफ्तार

टी वी रियलिटी शो बिग बॉस मराठी फेम एक्स कंटेस्टेंट दिव्या शिंदे इन दिनों काफी चर्चा में हैं। वो पहले तो डॉक्टर के साथ मारपीट करने की वजह से हेडलाइन्स में आईं। इसके बाद अब उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उन पर 5 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया गया है, जिसके तहत कार्रवाई की गई है। दिव्या शिंदे को पुणे पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

दिव्या के खिलाफ कालेपड़हल पुलिस स्टेशन में मारपीट और रंगदारी मांगने के मामले में केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। पुलिस के मुताबिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार का मेहनताना मांगने के नाम पर दिव्या शिंदे एक वरिष्ठ रिटायर्ड मेडिकल अधिकारी के घर में घुसीं और वहां कथित तौर पर दहशत का माहौल बनाया। आरोप है कि दिव्या शिंदे ने वरिष्ठ नागरिक के साथ मारपीट की और उनसे 5 लाख रुपये की रंगदारी वसूलने की कोशिश की। दिव्या शिंदे ने पुणे छावनी बोर्ड के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ मारपीट की। उन पर डॉक्टर के घर में घुसकर बेल्ट और लाठियों से बेरहमी से पिटाई करने और 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगा।

पुराने रंग में रंगीं ममता कुलकर्णी, 90 के दशक के गानों पर लगाईं ठुमके

ममता कुलकर्णी ने जनवरी 2025 में महा कुंभ मेले के दौरान संन्यास ले लिया था और साध्वी बन गई थीं। एक बार फिर सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा हो रही है। आध्यात्मिक राह अपनाने के बाद एक्ट्रेस ने अपना आध्यात्मिक नाम श्री यमई ममता नंद गिरी रखा था। हालांकि, राजस्थान फिल्म फेस्टिवल से ममता का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो 90 के दशक के अपने मशहूर गानों पर डांस करती हुई दिख रही हैं। लोग इसे देखकर काफी हैरान हैं। वायरल वीडियो में ममता अपने कुछ सबसे मशहूर गानों पर डांस करती हुई दिख रही हैं, जिनमें घातक का कोई जाए तो ले आए, करण अर्जुन का एक मुंडा मेरी उम्र का और सबसे बड़ा खिलाड़ी का लंबा-लंबा घूंघट शामिल हैं। इस इवेंट के लिए उन्होंने पर्पल जंपसूट पहना था, जो पारंपरिक साड़ियों और भगवा कपड़ों से बिल्कुल अलग था। आध्यात्मिक रास्ता अपनाने के बाद से उन्हें अक्सर इन्हीं कपड़ों में देखा जाता रहा है। उनकी डांस परफॉर्मेंस बहुत जल्द सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। कई सोशल मीडिया यूज़र्स ने संन्यास लेने के उनके फैसले और अपने पुराने गानों पर परफॉर्म करने के लिए उनकी वापसी पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा- माता नाच रही हैं। दूसरे ने कमेंट किया- ये तो साध्वी बन गई थी ना। एक अन्य ने लिखा - योगिनी से फिर हिरोइन बन गई क्या? चौथे ने लिखा- क्या हुआ संयासन छोड़ दी। फिलहाल ममता का ये अंदाज ऑनलाइन चर्चा का विषय बना हुआ है। कई यूजर्स उनके आध्यात्मिक बदलाव के बाद ग्लैमरस अवतार में देखकर हैरान हैं। वहीं दूसरी ओर ममता कुलकर्णी ने वायरल वीडियो या उन पर हो रही टिप्पणियों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बॉक्स ऑफिस पर कमाई को तरसी अंजलि अरोड़ा की फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा

अंजलि अरोड़ा को लेकर फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा बनाई गई, जिसमें वो मां सीता का रोल कर रही हैं। ये उनका मूवी डेब्यू है। इसे एक छत्तीसगढ़ के मेकर ने बनाया है। फिल्म के टीजर-ट्रेलर-पोस्टर पहले से ही ट्रोलिंग का शिकार बने हुए हैं। शुकवार 25 सितंबर को रिलीज के बाद इसके रिव्यू भी काफी बुरे नजर आए। पिक्चर के विजुअल्स पर सीधे सवाल उठाए गए। इसमें भर-भरकर AI का इस्तेमाल हुआ और खराब वर्ड ऑफ माउथ के चलते इसकी कमाई पर भी बुरा असर पड़ा है। अंजलि अरोड़ा वाली रामायण ने अपने पहले दिन मात्र 10 लाख रुपये नेट कमाए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर एक काफी खराब शुरुआत है। हालांकि दूसरे दिन फिल्म की कमाई में जंप दिखाई दिया, लेकिन वो भी कुछ खास नहीं था। शनिवार को फिल्म मात्र 24 लाख रुपये कमा पाई, और दो दिनों को मिलाकर इसका टोटल नेट कलेक्शन 34 लाख रुपये पहुंच चुका है। कई सारी रिपोर्ट्स में अंजलि अरोड़ा वाली महाकाव्य श्री रामायण कथा का बजट 5 करोड़ से लेकर 15-18 करोड़ रुपये तक बताया जा रहा है। इतने छोटे बजट की फिल्म का फिलहाल तो बॉक्स ऑफिस पर काफी बुरा आगाज हुआ है। फिल्म के रिव्यू बिल्कुल भी पॉजिटिव नहीं सामने आए हैं। इसके साथ हनुमान अंश जैसा चमत्कार होने की भी संभावना कम है, क्योंकि 40 दिन बाद रणबीर वाली रामायण रिलीज होने वाली है। अब देखना है कि महाकाव्य श्री रामायण कथा लाइफटाइम कितनी कमाई कर पाती है।

जल्द ही ओटीटी पर रानी भौजी बनकर आयेंगी रानी चटर्जी

रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अदाकारा हैं। उनकी फिल्मों का दर्शकों के बीच क्रेज देखा जाता है। अब एक नई फिल्म के साथ वे फैंस के बीच आ रही हैं। हाल ही में उनकी आगामी भोजपुरी मूवी का एलान हुआ है और इसका फर्स्ट लुक पोस्ट साझा किया गया है। रानी चटर्जी की इस नई फिल्म का पोस्टर जारी हुआ है। इसमें अभिनेत्री पिंक कलर की साड़ी पहने पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। सीधे पल्लू की शादी, मंगलसूत्र पहने और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। उन्होंने एक हाथ में सुदर्शन चक्र जैसा थामा हुआ है। पोस्टर पर कुछ और महिलाएं हैं। एक महिला रानी पर अत्याचार करती दिख रही है। पोस्टर देखकर लग रहा है कि यह फिल्म पूरी तरह से पारिवारिक ड्रामा से भरपूर होगी। रानी की आगामी फिल्म का टाइटल रानी भौजी है। इस आगामी प्रोजेक्ट को बीटीवी प्ले ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है, बीटीवी प्ले ओटीटी की पहली पेशकश। इस फिल्म का निर्देशन दिल आवेज खान कर रहे हैं। इसे मनीष शर्मा प्रोड्यूस कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। रानी चटर्जी की फिल्म की घोषणा पर उनके फैंस उत्साहित हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, सबके दिलों की रानी, भोजपुरिया क्वीन। एक यूजर ने लिखा, आपकी मूवीज का इंतजार रहता है। कुछ लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं।

तेलंगाना सीएम के बयान पर मचा घमासान

भाजपा ने कांग्रेस पर किया तीखा प्रहार

» भाजपा उत्तर भारत में इसलिए सफल क्योंकि उसने भगवान राम को हथिया लिया : रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के एक बयान ने देश की राजनीति में नया भूचाल ला दिया है। दिल्ली में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि कांग्रेस की सफलता दक्षिण भारत तक सीमित रहने और उत्तर भारत में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न कर पाने की मुख्य वजह भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा भगवान राम की राजनीति को हथियाना है। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि कांग्रेस सिर्फ दक्षिण में सफल है, उत्तर के राज्यों में नहीं, क्योंकि भाजपा ने भगवान राम को हथिया लिया है, जिन्हें उत्तर में पूजा जाता है, जबकि दक्षिणी राज्यों में शिव की पूजा होती है।

दिल्ली में एक मीडिया संगठन के सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेड्डी ने यह भी कहा कि देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ वैसा ही आंदोलन होगा, जैसा आजादी की लड़ाई के दौरान 'साइमन, वापस जाओ' आंदोलन हुआ था। उन्होंने कहा, हम द्रविड़ हैं। यहां (उत्तर भारत में) लोग आर्य हैं। हम भगवान शिव के भक्त हैं और ये भगवान राम के भक्त हैं। भाजपा ने राम को हथिया लिया। यह भावना और आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा, ''मोदी जी 'हर हर महादेव' क्यों नहीं कहते? क्या भाजपा के लोगों ने कभी मंच से 'हर हर महादेव' कहा है? वे केवल 'जय श्री राम' कहते हैं। जब हम 'हर हर महादेव' कहते हैं, तो उन्हें यह पसंद नहीं आता।'' रेड्डी ने दावा किया कि ''शिव गरीबों के भगवान हैं, राम अमीरों के भगवान हैं और भाजपा अमीरों की पार्टी है। मुख्यमंत्री से सवाल किया गया था कि कांग्रेस दक्षिण भारत में लोकप्रिय क्यों है, जबकि देश के उत्तर, पूर्व और पश्चिमी हिस्सों में नहीं। रेड्डी ने कहा कि 'साइमन गो बैक' आंदोलन की तरह ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे और एम. के. स्टालिन समेत विपक्षी दलों के नेताओं को एकजुट होकर 'एसआईआर गो बैक' आंदोलन चलाना होगा। इस बीच, केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों की आलोचना की। संजय कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पहले 'कांग्रेस का मतलब मुस्लिम और मुस्लिम का मतलब कांग्रेस' कहने वाले रेवंत रेड्डी अब भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन की रेखा खींच रहे हैं।

सीएम बोले- क्या भाजपा के लोगों ने कभी मंच से 'हर हर महादेव' कहा है

आंध्र में गठबंधन राज में एससी और ओबीसी वर्ग असुरक्षित: वाईएसआरसीपी

वाईएसआरसीपी के नेताओं ने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश की गठबंधन सरकार के तहत दलितों, गरीबों और समाज के कमजोर वर्गों के साथ भेदभाव और उनका दमन बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।नेता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में महाकवि गुर्रम जशुवा और क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती समारोह में बोल रहे थे। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इन दोनों महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी और सामाजिक न्याय, समानता और स्वतंत्रता में उनके योगदान को याद किया। नेताओं ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने शिक्षा, कल्याण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सामाजिक सम्मान और कमजोर व हाशिए पर रहने वाले समुदायों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने मौजूदा सरकार की स्थिति की तुलना पिछली सरकार से करते हुए कहा कि दलितों, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है और कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है, जिसका असर खासकर महिलाओं और वंचित वर्गों पर पड़ रहा है।

भाजपा का आरोप- ये हिंदुओं को बांटने की साजिश

रेवंत रेड्डी के बयान पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के निर्देश पर इस तरह की बयानबाजी करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि रेड्डी की टिप्पणी का मकसद हिंदुओं को बांटना है और यह कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा है। भंडारी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने वोट बैंक की राजनीति के लिए और राहुल गांधी के निर्देश पर हिंदुओं को बांटने का नया तरीका खोजने की कोशिश में यह टिप्पणी की। भंडारी ने कांग्रेस को आधुनिक मुस्लिम लीग कांग्रेस भी बताया और दावा किया कि उसके नेतामगवान राम और भगवान शिव के अनुयायियों के बीच हिंदुओं को बांटने की अपनी कथित साजिश में सफल नहीं होंगे। भंडारी ने कहा, देश यह नहीं भूला है कि कांग्रेस ने सोमनाथ मंदिर के निर्माण का विरोध किया, काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का विरोध किया और 2018 में हर हर महादेव का उद्घोष करने पर पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को निलंबित कर दिया।

सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगा भारत

» वेस्टइंडीज से दूसरा वनडे कल रोहित शर्मा के पास इतिहास रचने का मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का आगाज हो चुका है। सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम कर लिया है। अब दूसरे मैच की बारी है। टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1.0 की लीड बना ली है। अब उसकी कोशिश होगी कि दूसरा मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा किया जाए, लेकिन वहीं वेस्टइंडीज की टीम भी सीरीज को बराबरी पर लाने की कोशिश जरूर करेगी। सीरीज के दूसरा मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी में खेला जाएगा।

वहीं टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। बता दें कि इस मैच में रोहित की नजर वनडे क्रिकेट में 12000 रन पूरे करने पर होगी। इस महारिकॉर्ड को हासिल करने से हिटमैन केवल 73 रनों की दूरी पर हैं। अगर रोहित इस मुकाम को हासिल कर लेते हैं, तो वह ऐसा करने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी होंगे। वनडे क्रिकेट में 12000 रनों की खास उपलब्धि अब तक केवल दो भारतीय बल्लेबाज ही छू सके हैं। ये दोनों दिग्गज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली हैं। सचिन के वनडे खाते में 18426 रन दर्ज हैं वहीं विराट ने 15080 रन बना लिए हैं। उधर रोहित के नाम 11297 रन हो गए हैं। वनडे क्रिकेट में 12000 रनों के महारिकॉर्ड के अलावा रोहित शर्मा की नजर एक और बड़े रिकॉर्ड को अपने नाम करने पर होगी। रोहित ने बतौर ओपनर वनडे में 9897 रन बना लिए हैं। इस रिकॉर्ड के लिए उनको केवल 103 रनों की जरूरत है। भारत की तरफ से सचिन तेंदुलकर एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 12 हजार या उससे ज्यादा रन ओपनर के तौर पर बनाए हैं।

एशियन गेम्स: बिना एक गेंद खेले सेमीफाइनल में पहुंची टीमें

आइची नागोया। एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के एक सेमीफाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। बारिश के कारण नेपाल और श्रीलंका के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला रद्द होने के बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर श्रीलंका ने अंतिम-चार में जगह बनाई। अब भारत का सामना श्रीलंका से होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान की भिड़ंत बांग्लादेश से होगी। दोनों सेमीफाइनल एक अक्तूबर को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल और ब्रॉन्ज मेडल मैच तीन अक्तूबर को होंगे। बांग्लादेश और मलयेशिया के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला भी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। ऐसे में क्वार्टर फाइनल के चारों मुकाबले बारिश के कारण रद्द करने पड़े और बेहतर रैंकिंग वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। नेपाल और श्रीलंका के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण नहीं हो सका। मुकाबला रद्द होने पर बेहतर रैंकिंग के आधार पर श्रीलंका आगे बढ़ गया। इस तरह भारत के सेमीफाइनल का विरोधी तय हो गया है। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल एक अक्तूबर को भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे से खेला जाएगा।

ओड़िशा का संवैधानिक अधिकार छीन रही भाजपा सरकार : सुजाता राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। बीजू जनता दल (बीजद) की नेता सुजाता राउत कार्तिकेयन ने एमएमडीआर संशोधन अधिनियम को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों के कल्याण के लिए पैसा जुटाने के मकसद से अपनी खनिज संपदा पर टैक्स लगाना राज्य का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने संसद में इस बिल का समर्थन करने वाले ओडिशा के भाजपा सांसदों की भी आलोचना की और कहा कि उन्होंने ओडिशा के साथ अन्याय किया। उन्होंने कहा कि माइन्स एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) संशोधन अधिनियम, 2026 को लागू करने से ओडिशा को राजस्व का भारी नुकसान होगा।

सुजाता राउत कार्तिकेयन ने कहा ओडिशा का यह संवैधानिक अधिकार है कि वह अपनी खनिज संपदा पर टैक्स लगाए और इस तरह ओडिशा के लोगों और उनके विकास के लिए काम करे। 2004 में इसी संवैधानिक अधिकार के तहत, तत्कालीन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओडिशा के विकास के लिए एक कानून बनाया। माइनिंग कंपनियों ने उस कानून के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। बीजद ने 20 साल तक ओडिशा के लोगों के अधिकारों के लिए कोर्ट में यह लड़ाई लड़ी। यह संघर्ष जारी रहा। 2026 में, सुप्रीम कोर्ट की नौ-सदस्यीय संवैधानिक बेंच का फैसला आया और वह ओडिशा के पक्ष में रहा। उन्होंने आगे कहा इससे ओडिशा को हजारों करोड़ रुपये पाने का अधिकार मिला और उसका संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित हुआ। लेकिन अचानक, 2026 में, भाजपा सरकार द्वारा लाए गए एमएमडीआर संशोधन कानून ने हमारा यह संवैधानिक अधिकार छीन लिया और ओडिशा को मिलने वाले इस पैसे को रोक दिया।

» बीजद नेता ने एमएमडीआर संशोधन कानून को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

जम्मू-कश्मीर विस से पास हुआ स्टेटहुड का प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पारित होने के बाद अब विवाद का केंद्र विधानसभा से निकलकर प्रशासनिक गलियारों तक पहुंच गया है। प्रस्ताव पारित होने के बावजूद सबसे बड़ा सवाल यह है कि विधानसभा सचिवालय से प्राप्त प्रस्ताव पर मुख्य सचिव अटल डुल्लू आगे क्या कार्रवाई करते हैं और क्या इसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा।

क्योंकि प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सीएम ने खुलासा किया था कि मुख्य सचिव और विधि एवं संसदीय मामलों के सचिव अचल सेठी ने अलग अलग पत्र लिखकर विधानसभा स्पीकर को राज्य के दर्जे की बहाली के प्रस्ताव पर सदन में चर्चा कराने या पारित करने के लिए स्वीकार न करने की सलाह दी थी।

मंत्री प्रवेश वर्मा पर जल्द केस दर्ज किया जाए : भारद्वाज

» आप ने थाने में पहुंच कर की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तिलक नगर में थप्पड़ मारने के विवाद को लेकर राजनीतिक टकराव और बढ़ गया है। दिल्ली आप के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, पार्टी के विधायकों और पार्षदों के साथ विकासपुरी पुलिस स्टेशन पहुंचे और दिल्ली के कै बिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन एक वायरल वीडियो के बाद हो रहा है, जिसमें मंत्री प्रवेश साहिब सिंह कथित तौर पर तिलक नगर में सड़क के निरीक्षण के दौरान एक स्थानीय युवक को थप्पड़ मारते हुए दिख रहे हैं।

यह घटना तब हुई जब विपक्षी नेताओं ने सड़क के घटिया निर्माण का मामला उठाया था। दिल्ली पुलिस ने आज कहा कि प्रवेश साहिब सिंह और आप विधायक जरनैल सिंह से जुड़े तिलक नगर विवाद के संबंध में अब तक पांच शिकायतें मिली हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस को अब तक कुल पांच शिकायतें मिली हैं। इनमें से एक शिकायत जरनैल सिंह के सहयोगी साहिब सिंह ने दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि कर्मचारियों ने जरनैल सिंह और अन्य लोगों के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज कराईं।

संभल हिंसा मामले में यूपी सरकार को सुप्रीम झटका

आरोपी मुल्ला अफरोज पर लगा एनएसए सुप्रीम कोर्ट ने किया रद, यूपी सरकार पर 10 लाख का जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाया। इस फै सले से यूपी की भाजपा की योगी सरकार को करारा झटका मिला है। कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी का कबूलनामा उसे नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत हिरासत में रखने का आधार नहीं हो सकता। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने मुल्ला अफरोज की प्रिवेंटिव डिटेंशन (एहतियाती हिरासत) को रद्द करते हुए यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने कहा कि हिरासत में लेने वाले अधिकारी को अन्य संबंधित परिस्थितियों पर भी विचार करना चाहिए। कोर्ट ने पाया कि अफरोज के मामले में अधिकारियों ने ऐसा नहीं किया और अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने अक्तूबर 2025 में संभल में 2024 की सांप्रदायिक हिंसा में कथित भूमिका के लिए मुल्ला अफरोज के खिलाफ सख्त नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) लागू किया था। सुप्रीम कोर्ट ने गैर-कानूनी प्रिवेंटिव डिटेंशन का आदेश पारित करने के लिए सरकार पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। फैसला सुनाते हुए जस्टिस दत्ता ने अपने लॉ क्लर्क को भी श्रद्धांजलि दी, जिनका निधन उनके 27वें जन्मदिन से चार दिन पहले हो गया था।

एनएसए केंद्र और राज्यों को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है जो भारत की सुरक्षा के खिलाफ काम कर सकते हैं। हिरासत की अधिकतम अवधि 12 महीने है, हालांकि इसे पहले भी खत्म किया जा सकता है। एनएसए को स्थानीय प्रशासन लागू कर सकता है। इसे हाईकोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता वाले बोर्ड से मंजूरी मिलनी जरूरी है। चूंकि यह प्रिवेंटिव डिटेंशन है, न कि गिरफ्तारी, इसलिए हिरासत में लिए गए व्यक्ति को अदालत के सामने पेश करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है।

ये है पूरा मामला

संभल में नवंबर 2024 में तनाव तब बढ़ गया, जब वहां शाही जामा मस्जिद का कोर्ट के आदेश पर सर्वे किया जा रहा था। यह सर्वे इस दावे के बाद किया जा रहा था कि उस जगह पर पहले हरिहर मंदिर हुआ करता था। 24 नवंबर को सर्वे के दूसरे दौर के दौरान, विरोध कर रहे स्थानीय लोगों की सुरक्षा कर्मियों के साथ झड़प हो गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

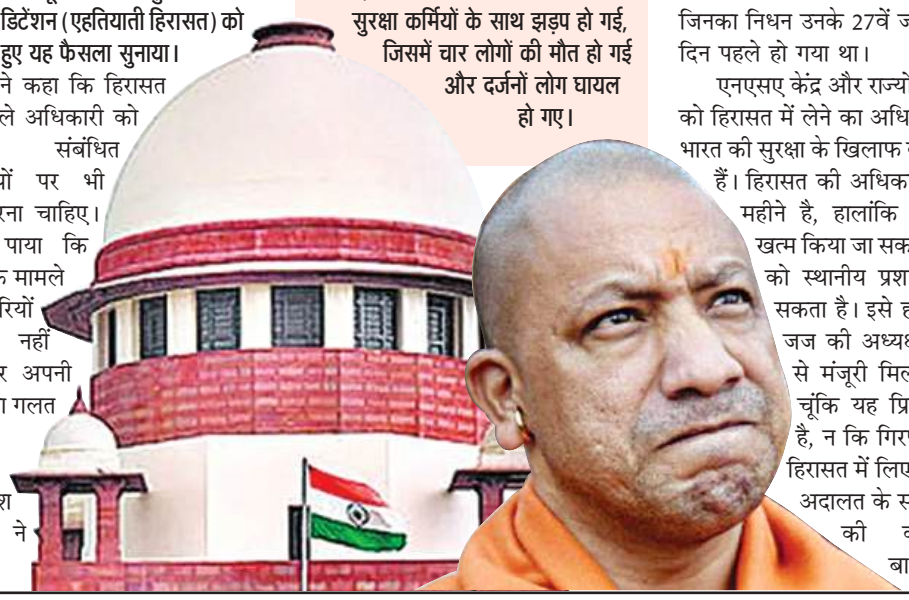

सीईसी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेगी कांग्रेस : खरगे

» दिल्ली में हुई कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक का एजेंडा एसआईआर में कथित अनियमितता रहा। कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। कार्यसमिति की बैठक में इस विरोध प्रदर्शन को देशव्यापी बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। कांग्रेस कार्यसमिति की यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद चल रहा है।

बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हो रही कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल समेत अन्य नेता शामिल हुए। खरगे ने कहा था, हम इस मुद्दे पर गंभीरता से लड़ने जा रहे हैं। यह मुद्दा पूरे देश, हमारे लोकतंत्र के अस्तित्व और देश के भविष्य से जुड़ा है। यही वजह है कि हम इस मामले को लेकर बेहद गंभीर हैं।% विपक्षी इंडी गठबंधन भी बुधवार को बैठक करेगा, जिसमें इस मुद्दे पर संयुक्त रणनीति तैयार की जाएगी। संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक और नोटिस दिए जाने की भी संभावना है। गोवा में कांग्रेस प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने बैठक में आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और इसके खिलाफ पूरा विपक्ष एकजुट है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक पार्टी से देशव्यापी आंदोलन करने का आह्वान किया।

यह लोकतंत्र के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा

बैठक से एक दिन पहले खरगे ने कहा था कि चुनाव आयुक्तों ने विशेष गहन पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने तथा मतदाता सूची के डेटाबेस पर केंद्रीयकृत नियंत्रण को लेकर चिंता जताकर चुनाव आयोग के कामकाज को उजागर किया है। उन्होंने कहा था कि यह मुद्दा बेहद गंभीर है और देश में लोकतंत्र के अस्तित्व से जुड़ा है, इसलिए इसे प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाना चाहिए।

चुनाव आयोग : अगले हफ्ते सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाले भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिए गए फैसलों पर सवाल उठाए गए हैं। इस मामले का उल्लेख भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष किया गया।

मामले का उल्लेख करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने पीठ से कहा कि वैधानिक व्यवस्था के अनुसार, बहुसदस्यीय निर्वाचन आयोग के फैसले सर्वसम्मति से या बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से निर्वाचन आयोग काम कर रहा है, उससे इस बात पर गंभीर संदेह पैदा होता है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से लिए जा रहे हैं या नहीं। यह याचिका अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित एक खबर की पृष्ठभूमि में दायर की गई है। इसमें दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान कम से कम 14 बार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित फैसलों और आदेशों पर आपत्ति दर्ज की थी। दोनों ने कहा था कि ये फैसले उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए थे। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा है कि संधू और जोशी द्वारा कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र प्रतिनियुक्ति पर आए किसी अधिकारी से संबंधित थे, न कि नीतिगत मामलों या सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रभाग से जुड़े मुद्दों से।

भाजपा ने बिहार और उप्र के लिए 10 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को भाजपा ने बिहार और उत्तर प्रदेश में 2026 के विधान परिषद चुनावों के लिए ग्रेजुएट और टीचर निर्वाचन क्षेत्रों से 10 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। प्रमुख उम्मीदवारों में बिहार से नवल किशोर यादव और डॉ. एन.के. यादव शामिल हैं, जबकि उत्तर प्रदेश के लिए चुने गए छह मुख्य उम्मीदवारों में केदार नाथ सिंह और हरि किशोर तिवारी के नाम शामिल हैं।

बिहार चुनावों के लिए, दरभंगा ग्रेजुएट सीट से सर्वेश कुमार और तिरहुत टीचर सीट से नरेंद्र प्रसाद सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर प्रदेश विप चुनावों के लिए, वाराणसी ग्रेजुएट्स सीट से केदार नाथ सिंह को मैदान में उतारा गया है, जबकि मेरठ ग्रेजुएट्स सीट से बीजेपी ने दिनेश गोयल को उम्मीदवार बनाया है। इलाहाबाद-झांसी ग्रेजुएट्स सीट से अशोक कुमार राठौर और वाराणसी टीचर्स सीट से डॉ. प्रमोद मिश्रा को उम्मीदवार बनाया गया है। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक से ध्रुव त्रिपाठी को मौका दिया गया है।

कांग्रेस उम्मीदवार को हाईकोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को नंदीग्राम और खेजुरी में उनके खिलाफ दर्ज सभी छह मामलों में अंतरिम ज़मानत दे दी। प्रधान के वकील ने इन छह मामलों में ज़मानत के लिए हाई कोर्ट में अर्ज़ी दी थी।

वकील अशफ़ाक अहमद ने बताया कि राज्य सरकार ने ज़मानत अर्ज़ी का कड़ा विरोध किया, लेकिन बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि इनमें से एक मामला 19 साल पुराना है और नंदीग्राम आंदोलन से जुड़ा है। उनके खिलाफ़ सभी छह मामलों में उन्हें ज़मानत मिल गई है। उन्हें कुछ शर्तों के साथ अंतरिम ज़मानत दी गई है, जो 28 अक्टूबर तक लागू रहेगी। राज्य की ओर से इसका कड़ा विरोध किया गया, लेकिन हमारी दलील थी कि इनमें से एक मामला 19 साल पुराना है और एक आंदोलन से जुड़ा है, अहमद ने कहा। अहमद ने आगे आरोप लगाया कि इस कार्रवाई का मकसद प्रधान को नंदीग्राम उपचुनाव में प्रचार करने से रोकना था। उन्होंने कहा सरकार कांग्रेस से डरी हुई है। अगर कांग्रेस उम्मीदवार को बड़ी बढ़त मिलती है, तो वोट की चोरी का मामला सामने आ जाएगा। इसलिए, वोट की चोरी का सच सामने आने से रोकने के लिए, वे कांग्रेस उम्मीदवार को इतना डराना चाहते थे कि वह प्रचार न कर पाए और लोकतंत्र कमज़ोर हो जाए। अहमद ने आरोप लगाया कि प्रधान के खिलाफ़ 19 साल पुराने मामले में कार्रवाई की गई, जबकि इसी तरह के मामलों में आंदोलन से जुड़े अन्य लोगों, जिनमें बीजेपी नेता भी शामिल हैं, का नाम भी था।

पूर्व टीएमसी मंत्री इंद्रनील सेन के 15 ठिकानों पर ईडी का छापा

» दुर्गा पूजा के यूनेस्को फंड में फर्जीवाड़े का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को धनशोधन की जांच के तहत पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन और अन्य लोगों के परिसरों पर छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कुल 15 परिसरों की तलाशी ली गयी। यह कार्रवाई दुर्गा पूजा से पहले उसकी झलक दिखाने वाले कार्यक्रम आयोजित करने वाली एक संस्था में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में की गई।

अधिकारियों के अनुसार, आरोप है कि सेन की पत्नी के नेतृत्व वाली 'मासआर्ट' (महानिर्वाण रोड मास आर्ट सोसाइटी) ने लोगों से यह झूठा दावा करके बड़ी रकम एकत्र की कि यह धन यूनेस्को द्वारा प्रायोजित एक संस्था के लिए है। आरोप है कि बाद में इन पैसों का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए किया गया। ईडी की कार्रवाई पर सेन या 'मासआर्ट' की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। जांच अधिकारियों के अनुसार, यूनेस्को के नाम पर जुटाए गए करोड़ों रुपये का उपयोग किसी सांस्कृतिक या जनहित के कार्य में करने के बजाय निजी लाभ और वित्तीय हेरफेर के लिए किया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि एकत्रित धनराशि को संदिग्ध खातों और फर्जी लेनदेन के जरिए अलग-अलग जगहों पर ट्रांसफर किया गया। इसी आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका जताते हुए मामला दर्ज किया और छापेमारी की। मंगलवार सुबह-सुबह ईडी की अलग-अलग टीमें केंद्रीय बल के जवानों के साथ इंद्रनील सेन के आवास, उनसे जुड़े सहयोगियों के परिसरों और मासआर्ट के कार्यालयों पर पहुंचीं। दिनभर चली इस कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने वित्तीय दस्तावेजों, डिजिटल डिवाइस, बैंक खातों के ब्योरे और जायदाद से जुड़े कागजातों की सघन जांच की।

दुर्गा पूजा बंगाल का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है। ऐसे में उत्सव के माहौल के बीच दुर्गा पूजा से जुड़ी एक प्रमुख संस्था और राज्य के पूर्व मंत्री पर केंद्रीय एजेंसी की इस कार्रवाई से बंगाल की राजनीति में हड़कंप मच गया है। हालांकि, ईडी की इस बड़ी कार्रवाई और लगाए गए गंभीर आरोपों पर फिलहाल पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन या मासआर्ट संस्था की तरफ से कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**